CUTS International

PRESS RELEASE

CONSUMER UNITY & TRUST SOCIETY - A registered, recognised, non-partisan, non-profit and non-government organisation pursuing social justice and economic equity within and across borders

सतत् उपभोग को बढ़ावा देते हुए प्राकृतिक संसाधनों को बचाने पर जोर

जयपुर, 13 मार्च, 2020।
'कट्स' द्वारा विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन जयपुर में किया गया। यह आयोजन परियोजना 'प्रोओर्गेनिक' के तहत होने वाली वार्षिक राज्य स्तरीय परिचर्चा के साथ सम्पन्न हुआ। सहायक निदेशक दीपक सक्सेना ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया।

'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने बताया कि इव वर्ष विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का विषय 'सतत् उपभोक्ता' है। उन्होंने परियोजना 'प्रोओर्गेनिक' का हवाला देते हुए बताया कि दोनों कार्यक्रम एक दूसरे से सम्बन्धित है, क्योंकि एक सतत् उपभोग को इंगित करता है जो उपभोक्ता को सतत्ता की ओर ले जायेगा। अपने उद्बोधन में उन्होंने सभी को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि हम पर्यावरण संरक्षण की सारी हदों को पार कर जलवायु परिवर्तन की ऐसे पायदान पर खड़े हैं जहां पर पूरे विश्व में प्राकृतिक आपदाओं के कारण मानव समुदाय का विनाश हो रहा है। उन्होंने बताया कि हमने पेरिस समझौते के तहत धरती के तापमान को 1.5 डिग्री से अधिक नहीं बढ़ने का वादा तथा सतत् विकास लक्ष्यों के वादे भी तोड़ दिये है। उन्होंने बताया कि प्रोओर्गेनिक परियोजना का मुख्य उद्देश्य सतत् उपभोग को बढ़ाना है जो कि उपभोक्ता जागरूकता तथा मांग व पूर्ति को बढ़ाने से सभव हो पायेगा। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के न्यूनतम उपयोग करने, प्लास्टिक के उपयोग को रोकने, वृक्षारोपण करने व रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के उपयोग कम करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में राजदीप पारीक ने परियोजना के अन्तर्गत की गई गतिविधियों को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया, जिसमें किसान प्रशिक्षण एवं भ्रमण, जागरूकता गतिविधियां, स्कूलों में जैविक गार्डन, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट्स आदि शामिल है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक आर.के. यादवेन्द्र ने बताया कि जैविक खेती की मुहिम को उपभोक्ता, किसान, संस्थाएं सभी को समझना होगा तथा एक साथ इसके लिए कोशिश करनी होगी तभी यह संभव हो पायेगा। उन्होंने परम्परागत कृषि विकास परियोजना के तहत सरकार द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में बताया।

डॉ. ए.के. गुप्ता, निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, श्रीकर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने 'कट्स' द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की तथा बताया कि परियोजना में किसान तथा उपभोक्ता दोनों के मुद्दों पर काम करने से परियोजना के परिणाम आशा के अनुरूप आ रहे हैं।

डॉ. गजेन्द्र शर्मा, सहायक अनुसंधान अधिकारी, कृषि विभाग, राजस्थान सरकार ने बताया कि उपभोक्ता द्वारा जैविक उत्पाद की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिसका किसान फायदा उठा सकता हैं। उन्होंने शहरी क्षेत्र में किचन गार्डन एवं छत पर बागवानी की संभावनाओं को व्यक्त करते हुए 'कट्स' द्वारा ग्रीन एक्शन वीक के तहत किये गये प्रयासों की सराहना की।

परिचर्चा में राज्य सरकार के कृषि विभाग व दुर्गापुरा कृषि अनुसंधान के अधिकारी, जैविक खेती पर कार्य करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा परियोजना के तहत विभिन्न जिलों के कार्यकर्ताओं सहित 60 से अधिक भागीदारों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, कार्यक्रम अधिकारी ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं निमिषा गौड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
राजदीप पारीक (94616 70755)/धर्मेन्द्र चतुर्वेदी (94142 02868)
'कट्स' सेंटर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
डी– 218, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर– 302 016, भारत
दूरभाषः 91–.5133259, 2282821/2282482 फैक्सः 91–141–4015395
ईमेलः rdp@cuts.org ; dc@cuts.org
वेबसाइटः http:/www.cuts-international.org